30/1/24

AHS-G/G6/37/2023-XV-1-Animal Husbandry Department

I/185421/2024

संख्या–18542/ XV-I / 23 / 1(22)23 / 64623

प्रेषक,

राजेन्द्र कुमार भट्ट,
संयुक्त सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा मे,

निदेशक,
पशुपालन विभाग,
उत्तराखण्ड, देहरादून।

पशुपालन अनुभाग–01 देहरादून : दिनॉक 30 जनवरी, 2024।

विषय : राज्य सैक्टर योजनान्तर्गत 35 मोबाईल वैटनरी यूनिट (एम0वी0यू0) की स्थापना एवं संचालन की कार्य योजना के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्याः 4804 / पशुधन–तीन / एम0वी0यू0–कार्ययोजना / 2022–23 दिनांकः 31.10.2023 के क्रम में सम्यक् विचारोपरान्त लिये गये निर्णयानुसार मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि राज्य में 35 विकासखण्डों हेतु राज्य सैक्टर योजनान्तर्गत 35 मोबाईल वेटनरी यूनिट को 05 वर्ष तक Pilot Basis पर संलग्नक–01 पर संलग्न कार्ययोजनानुसार संचालित किये जाने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते है। मोबाईल वैटनरी एंबुलेंस का क्रय सेवा प्रदाता ऐजेंसी (आउटसोर्स एजेंसी) द्वारा एवं उसका सम्पूर्ण संचालन तथा भुगतान प्रति मोबाईल वेटनरी यूनिट की दर से सेवाप्रदाता एजेंसी (आउटसोर्स एजेंसी) के माध्यम से किया जायेगा। इस हेतु लगभग रू0 1308.90 लाख (रू0 तेरह करोड़ आठ लाख नब्बे हजार मात्र) का बजट प्राविधान राज्य सैक्टर से किया जायेगा।

यह आदेश वित्त विभाग के ई पत्र संख्याः–184913 / 2024 दिनांकः 25.01.2024 द्वारा प्राप्त सहमति के क्रम में जारी किया जा रहा है।

संलग्नकः यथोपरि।

Signed by Rajendra Kumar Bhatt
Date: 29-01-2024 14:04:26

भवदीय,

(राजेन्द्र कुमार भट्ट)
संयुक्त सचिव।

ई संख्याः 185421 / XV-I / 23 / 1(22)23 / 64623तद्दिनॉकित।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :–

1. सचिव, गोपन / वित्त, उत्तराखण्ड शासन।
2. महालेखाकार, उत्तराखण्ड, कौलागढ रोड, देहरादून।
3. वरिष्ठ निजी सचिव, मा0 पशुपालन मंत्री जी को मा0 मंत्री जी के संज्ञानार्थ।
4. मुख्य निजी सचिव, सचिव, पशुपालन, उत्तराखण्ड शासन को महोदय के संज्ञानार्थ।

I/185421/2024

5. मण्डलायुक्त, गढ़वाल / कुमॉऊ।
6. समस्त जिलाधिकारी।
7. समस्त मुख्य कोषाधिकारी।
8. अपर निदेशक, पशुपालन, गढ़वाल / कुमॉऊ मण्डल।
9. समस्त मुख्य पशुचिकित्साधिकारी, उत्तराखण्ड।
10. गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

Signed by Mahaveer Singh Parmaar
Date: 29-01-2024 17:44:14

(महावीर सिंह परमार)
उप सचिव।

I/185421/2024

संलग्नक–01

कार्य योजना

पशुपालकों को पशुधन उत्पादकता में वृद्वि हेतु मुख्यतः रोगनिवारक एवं परामर्श सेवाओं की आवश्यकता होती है। उक्त हेतु पशुपालन विभाग द्वारा राज्यभर में पशुचिकित्सालयों एवं पशु सेवा केन्द्रों के तंत्र की स्थापना की गयी है। इन संस्थाओं में पशुचिकित्साधिकारियों, पशुधन प्रसार अधिकारियों, वैटनरी फार्मासिस्टों की पद स्थापना की गयी है परन्तु कठिन भौगोलिक परिस्थितियों अविकसित परिवहन एवं संचार सुविधाओं विभागीय संस्थानों की अपेक्षाकृत कम संख्या तथा रोगी पशुओं को पशुचिकित्सालयों तक पहुचांने में होने वाली परेशानी के कारण कई रोगी पशु समय पर पशुचिकित्सा प्राप्त करने से वंचित रह जाते हैं, साथ ही दूरस्थ क्षेत्रों में पशुपालकों की पशुचिकित्सा संस्थाओं से अत्यधिक दूरी होने के कारण भी पशुपालक ससमय विभागीय सेवाओं का लाभ उठाने से वंचित रह जाते है। इन परिस्थितियों में कई बार पशुओं की मृत्यु तक हो जाती है।

अतः प्रत्येक विकासखण्ड में कम से कम एक मोबाईल वैटनरी यूनिट की स्थापना की जाती है ताकि अधिक से अधिक संख्या में पशुपालकों की विभागीय सेवाओं तक पहुंच सुगम हो सके तथा अधिक से अधिक पशुपालक विभागीय सेवाओं का लाभ उठाने में समर्थ हो सके।

योजना की कार्यान्वयन संस्था का नाम– उत्तराखण्ड पशुधन विकास परिषद

पता– पशुधन भवन मोथरोवाला, देहरादून, पिन कोड 248001

दूरभाष एवं फैक्स– 0135–2533619

विभागाध्यक्ष की ईमेल आई0डी0– dirhuk@gmail.com

नोडल अधिकारी– संयुक्त निदेशक, रोग नियन्त्रण मुख्यालय।

2. मोबाईल वैटनरी यूनिटों की संख्याः–

प्रदेश में 95 विकासखण्ड है। वर्तमान में केन्द्र सरकार की पशुचिकित्सालयों एवं औषधालयों की स्थापना एवं सुदृढीकरण योजना के अन्तर्गत 1962 टोलफ्री नम्बर के माध्यम से कुल 60 मोबाईल वैटनरी ईकाईयां कार्यरत है। प्रत्येक मोबाईल वैटनरी यूनिट में एक पशु चिकित्सक, एक पैरावेट तथा एक सहायक–सह–चालक कार्यरत है। समस्त मोबाईल वैटनरी यूनिट क संचालन वर्तमान में टैन्डर के माध्यम से ई0एम0आर0आई0 ग्रीन हैल्थ सर्विसिस द्वारा किया जा रहा है।

राज्य के मैदानी जनपदों उधमसिंहनगर एवं हरिद्वार में मोबाईल वैटनरी यूनिट का आवंटन प्रति लगभग एक लाख पशुधन संख्या हेतु एक मोबाईल वैटनरी यूनिट की दर से

किया गया है। राज्य में विकासखण्ड स्तर पर रोग नैदानिक सेवाओं का भी सृदृढीकरण किया जा रहा है। ये विकासखण्ड स्तरीय रोग नैदानिक प्रयोगशालायें मोबाईल वैटनरी यूनिट के साथ समन्वय स्थापित कर विभिन्न क्षेत्र से सैम्पल एकत्र करेंगें। चूंकि पर्वतीय क्षेत्रों में पशुधन आबादी का घनत्व कम है। अतः इन क्षेत्रों में सम्बन्धित मुख्य पशुचिकित्सा अधिकारियों की मांग के अनुसार प्रत्येक एक लाख से कम पशुधन संख्या पर ही मोबाईल वैटनरी यूनिट उपलब्ध कराया जाना उचित होगा। चूंकि प्रदेश में 95 विकासखण्ड है, अतः प्रत्येक विकासखण्ड में एक मोबाईल वैटनरी की दर से राज्य में कुल 95 मोबाईल वैटनरी यूनिट की आवश्यकता है।

3. कॉल सेन्टर की स्थिति– राष्ट्रीय पशु रोग नियंत्रण कार्यक्रम के अन्तर्गत 1962 टोल फ्री टेलीफोन नम्बर के साथ एक कॉल सेन्टर की स्थापना की गयी हैं। जहॉ 02 पशुचिकित्सक तथा 06 कॉल एक्जीक्यूटिव कार्यरत हैं। कॉल सेन्टर में श्रम शक्ति ई0एम0आर0आई0 ग्रीन हैल्थ सर्विसिज को ऑउटसोर्स की गयी है तथा अवसंरचना विभाग द्वारा उपलब्ध करायी गयी है। कॉल सेन्टर एम0वी0यू0 संचालन हेतु केन्द्र का कार्यकर्ता है तथा पशुपालकों से टेलीफोन कॉल प्राप्त कर निकटस्थ मोबाईल वैटनरी यूनिट को पशुपालक के द्वारा तक भेजने का कार्य करता है। कॉल सेन्टर में कार्यरत पशुचिकित्सक के द्वारा रोगी पशु की आपातकाल स्थिति तथा आकस्मिकता के आधार पर मोबाईल वैटनरी यूनिटों को पशुपालकों के द्वार तक भेजने का क्रम निर्धारित किया जाता है। कॉल सेन्टर मोबाईल वैटनरी यूनिटों की गतिविधियों का भी अनुश्रवण करता है। कॉल सेन्टर द्वारा पशुपालकों के आधार नम्बर तथा मोबाईल नम्बर के आधार पर एम0वी0यू0 द्वारा उनको प्रदान की जाने वाली सेवाओं का सत्यापन किया जाता है। राज्य स्तरीय अनुश्रवण इकाई द्वारा कॉल सेन्टर के संचालन का अनुश्रवण किया जाता है।

4. प्रत्येक विकासखण्ड में एक मोबाईल वैटनरी यूनिट की दर से राज्य में कुल 95 मोबाईल वैटनरी यूनिटों की आवश्यकता है। अतः निम्नलिखित 35 विकासखण्डों में 35 मोबाईल वैटनरी यूनिटों का संचालन किया जाना है:–

राज्य में मोबाईल वैटनरी यूनिटों की कुल मॉग	95
वर्तमान में स्वीकृत व कार्यरत मोबाईल वैटनरी यूनिटों की संख्या	60
शेष मोबाईल वैटनरी यूनिटों की संख्या	35

क्र०सं०	जनपद	विकासखण्ड	
1	अल्मोडा	भैंसियाछाना	
		भिकियासैंण	
		चौखुटिया	
		धौला देवी	
		हवालबाग	

I/185421/2024

		स्याल्दे
		ताकुला
2	बागेश्वर	बागेश्वर
3	चमोली	दसोली
		घाट
		नारायण बगड़
		पोखरी
		थराली
4	चम्पावत	बाड़ाकोट
5	देहरादून	विकासनगर
6	हरिद्वार	खानपुर
7	नैनीताल	धारी
		कोटाबाग
		रामगढ़
8	पौड़ी गढ़वाल	बीरोंखाल
		दुगडड़ा
		खिर्सू
		कोट
		पोखड़ा
		रिखणीखाल
		यमकेश्वर
9	पिथौरागढ़	मुनाकोट
		बिण
10	टिहरी गढ़वाल	देवप्रयाग
		जाखणीधार
		जौनपुर
		नरेन्द्रनगर
11	उधमसिंहनगर	खटीमा
		जसपुर
12	उत्तरकाशी	पुरोला

5. **मोबाईल वैटनरी यूनिटों की संचालन प्रणालीः—** मोबाईल वैटनरी यूनिटों के संचलान के लिये

भारत सरकार द्वारा निर्धारित मानकों व मॉनदण्डों के अनुसार निविदा आमंत्रित की जायेगी।

6. **पशुचिकित्सकों/पैरावेटों/सहायक–सह–चालकों की संख्या–**
पशुचिकित्सकों की संख्या –35
पैरावेटों की संख्या –35
सहायक–सह–चालकों की संख्या–35

7. **कॉल सेन्टर की स्थापना–** सेवा प्रदाता एजेंसी द्वारा कॉल सेन्टर की स्थापना की जायेगी।

8. **सेवा प्रदाता के साथ अनुबन्ध–** सेवा प्रदाता एजेंसी के साथ भारत सरकार द्वारा निर्धारित मानकों व मॉनदण्डों के अनुसार पशुपालन विभाग द्वारा अनुबन्ध किया जायेगा।

9. **वाहनों का क्रय एवं संविरचन–** सभी 35 वाहनों का क्रय व संविरचन भारत सरकार द्वारा निर्धारित मानकों व मॉनदण्डों के अनुसार किया जायेगा।

10. औषधि, सहायक सामग्री तथा अन्य उपभोग की जाने वाली सामग्री का क्रय उत्तराखण्ड क्रय नियमावाली, 2019 के अनुसार किया जायेगा

11. **मोबाईल वैटनरी यूनिटों का पर्यवेक्षण व अनुश्रवण**

पशुपालकों के द्वार पर मोबाईल वैटनरी यूनिटों की सेवा प्रदान करने हेतु पूर्व संचालित 60 मोबाईल यूनिटों की भॉति त्रिस्तरीय अनुश्रवण समितियॉ गठित की जायेंगी–

क. राज्य स्तर पर राज्य अनुश्रवण इकाई के द्वारा कॉल सेन्टर के माध्यम से मोबाईल वैटनरी यूनिटों के संचालनों का अनुश्रवण किया जायेगा। जनपद स्तरीय अनुश्रवण इकाईयों के समन्वयन में मोबाईल वैटनरी यूनिटों के संचालन के अनुश्रवण हेतु प्रत्येक माह एक मासिक समीक्षा बैठक आयोजित की जायेगी। प्रत्येक माह राज्य नोडल अधिकारी के द्वारा मोबाईल वैटनरी यूनिटों के संचालन का भौतिक परीक्षण किया जायेगा।

ख. जनपद स्तरीय अनुश्रवण इकाई के द्वारा मोबाईल वैटनरी यूनिटों के संचालन का जनपद स्तर पर अनुश्रवण किया जायेगा।

ग. विकासखण्ड स्तर पर विकासखण्ड अनुश्रवण इकाई के द्वारा मोबाईल वैटनरी यूनिट संचालन का अनुश्रवण किया जायेगा। प्रत्येक मोबाईल वैटनरी यूनिट सम्बन्धित विकासखण्ड के पशुचिकित्सा अधिकारी ग्रेड–1 के सीधे नियंत्रण में होगी जिनके द्वारा दिन प्रतिदिन मोबाईल वैटनरी यूनिट संचालन का पर्ववेक्षण व अनुश्रवण किया जायेगा।

अनुमानित बजट/वित्तीय स्थिति

क्रस.	विवरण	दर (रू0 लाख प्रति माह)	मोबाईल वैटिनरी यूनिटों/श्रम श	प्रतिस्थापन हेतु 10% अतिरक्त श्रम शक्ति की आवश्यकता	कुल श्रम श	बजट मॉग प्रति माह (रू0 लाख)	कुल बजट मॉग प्रति

			ाक्ति की आवश्यकत ा	क्त की आवश यकता			वर्ष (रू 0 लाख)
क	अनुकूलित (कस्टमा ईस्ट) मोबाईल वैन	16.00	35	0	0	0	560.00
ख	मोबाईल वैटनरी यू नट की संचालन ल ागत श्रम शक्ति की आउट सोर्सिंग के साथ (प्रति माह)						
1	पशुचिकित्सक	0.561	35	3.5	38.5	21.5985	259.18
2	पैरावेट	0.200	35	3.5	38.5	7.7	92.40
3	चलक–सह–सहाय क	0.180	35	3.5	38.5	6.93	83.16
4	औषधि, शल्य चिकि त्सा सामग्री का क्र य	0.350	35	3.5	38.5	13.475	161.70
5	वहनों का रख रखा व व ईधन (पैट्रोल /डीजल/ल्यूब्रीकैन्ट/ईजंन ऑयल इ त्यादि)	0.330	35	3.5	38.5	12.705	152.46
	योग	1.621				62.409	748.90 2
ग	कॉल सेन्टर संचाल न की लागत श्रम शक्ति की आउट स ोर्सिंग के साथ (प्रति माह)	0.00	0	0	0	0	0
	महायोग (क+ख़+ग)					62.41 (पूर्णांक)	1308.9 0

कुल बजट मॉग–1308.90 लाख